ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-09-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-10-01	2025-10-02	2025-10-03	2025-10-04	2025-10-05
वर्षा (मिमी)	15.0	5.0	20.0	15.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	23.0	24.0	23.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	15.0	15.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	88	92	92	88
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	88	70	70	85	85
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	3	3	2	1
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	70	80	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	2	6	6	4
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में 5-20 मिमी की हल्की बूंदाबांदी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 23-24 डिग्री सेल्सियस और 14-15 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हवाएँ पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पूर्व-उत्तर-पूर्व, उत्तर, पूर्व-उत्तर और पूर्व दिशा से 1-3 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 01.10.2025 को कुछ स्थानों पर गरज के साथ बिजली कड़कने और तीव्र से बहुत तीव्र वर्षा होने की संभावना है। अन्य दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

अधिकांश दिनों में कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई प्रभाव अपेक्षित नहीं है।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस

उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 26.09.2025 से 02.10.2025 के दौरान भारी कम वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए कृषि गतिविधियां निर्धारित समय पर की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	सामान्य कीट, जैसे भूरा पादप फुदका, के प्रकोप पर, किसानों को ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली, 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम प्रकोप होने पर बुप्रोफेज़िन, अधिक प्रकोप होने पर ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम और तना छेदक + भूरा पादप फुदका के प्रकोप की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का प्रयोग करना चाहिए। परिपक्व अगेती किस्मों को भंडारण से पहले अच्छी तरह सुखाकर कटाई करनी चाहिए।
रागी	बाजरे की देर से पकने वाली किस्मों में, फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए, फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्ल्यू. पी. 600 ग्राम स्प्रे या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2.5 लीटर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रभावित क्षेत्र पर छिड़काव करना चाहिए। बाजरे की परिपक्व किस्मों की कटाई और भंडारण अच्छी तरह सुखाने के बाद ही करना चाहिए।
मक्का	झुलसा रोग होने पर मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लू पी 1.5-2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में घोलकर डालें। मक्का की अगेती किस्मों को काटकर भंडारण से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।
काला चना	परिपक्व फसल को काटकर खरीद/उपभोग के लिए भंडारित किया जाना चाहिए। भंडारण से पहले फसल को अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए।
मूँग	परिपक्व फसल को काटकर खरीद/उपभोग के लिए भंडारित किया जाना चाहिए। भंडारण से पहले फसल को अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए।
सोयाबीन	फसल की नियमित निगरानी करें और तना मक्खी के प्रकोप की स्थिति में क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी 150 मिलीलीटर को 700-800 लीटर पानी में मिलाकर डालें। यह प्रयोग गर्डल बीटल के लिए प्रभावी है। फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	फलियाँ आने पर, खेत को सूखने से बचाने के लिए, पूर्वानुमान एवं आवश्यकतानुसार फसल में हल्की सिंचाई करें। फली छेदक कीट दिखाई देने पर, फूल आने के समय खेत में फेरोमोन 5-6 ट्रैप/हेक्टेयर की दर से डालें। यदि प्रति ट्रैप 5-6 कीट दो-तीन दिन तक लगातार दिखाई दें, तो निम्न में से किसी एक दवा का प्रयोग करें: एन.पी.वी. 500 बोरर समतुल्य बी.टी. 1 कि.ग्रा./हेक्टेयर। निम्बोली 5% + 1% साबुन का घोल तथा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. 353-400 मिली या एमा मेक्टिन बेंजोएट 5 एस.जी. 220 मि.ग्रा. या स्पाइनोसैड 45 एस.सी. 125-162 मिली/हेक्टेयर।
रेपसीड	घाटियों और निचली पहाड़ियों में चावल की कटाई के बाद, जबकि मध्यम और ऊँची पहाड़ियों में दालों और बाजरा की कटाई के बाद, तोरिया और पीली सरसों की फसल बोनी चाहिए। बुवाई मेड़ों से क्रमशः 45 सेमी और 30 सेमी की दूरी पर लाइन से लाइन की दूरी पर करनी चाहिए। बीजों को मेटालैक्सिल 35 डब्ल्यू.एस. 4 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अगेती किस्मों की तुड़ाई करके उन्हें बाज़ार में खपत के लिए भेज देना चाहिए। मध्यम किस्मों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग करनी चाहिए और निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रक्रियाओं पर नज़र रखनी चाहिए।
गाजर	खेत में मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
मूली	खेत में मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
बाकला	इस महीने में बुवाई शुरू की जा सकती है। फसल को 2-3 सिंचाई की आवश्यकता होती है, जो आवश्यकतानुसार दी जानी चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
नींबू	यदि खट्टे फलों में सिट्रस येलो मोजेक वायरस के लक्षण दिखाई दें, तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल 1 मिली/3 लीटर पानी या थायमेथोक्सम 25% डब्लू जी 1 ग्राम/3 लीटर पानी में मिलकर कीटनाशक का छिड़काव करें। थायमेथोक्सम का पहला छिड़काव कीट के शुरुआती लक्षण दिखने पर करें और कीट की तीव्रता के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएँ।
सेब	संक्रमित और बीमार पत्तियों को नष्ट कर दें, जबकि गिरी हुई स्वस्थ पत्तियों को इकट्ठा करके सेब के पेड़ों में खाद बनाने के लिए गड्ढे में रखा जा सकता है।
आड़ू	संक्रमित और बीमार पत्तियों को नष्ट कर दें, जबकि गिरी हुई स्वस्थ पत्तियों को इकट्ठा करके आड़ू के पेड़ों में खाद बनाने के लिए गड्ढे में रखा जा सकता है।
नाशपाती	संक्रमित और बीमार पत्तियों को नष्ट कर दें, जबकि गिरी हुई स्वस्थ पत्तियों को इकट्ठा करके नाशपाती के पेड़ों में खाद बनाने के लिए गड्ढे में रखा जा सकता है।
बेर	संक्रमित और बीमार पत्तियों को नष्ट कर दें, जबकि गिरी हुई स्वस्थ पत्तियों को इकट्ठा करके बेर के पेड़ों में खाद बनाने के लिए गड्ढे में रखा जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को एफएमडी (खुरपका-मुँहपका रोग) का टीका लगवाना चाहिए। पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में देना चाहिए। सलाह दी जाती है कि पशुओं को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जा सकता है।
बकरा	ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़-बकरियों को एक माह पर टेटनस टॉक्साइड के 2 टीके तथा 5 माह पर दूसरा टीका लगवाना चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।
भेड़	ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़-बकरियों को एक माह पर टेटनस टॉक्साइड के 2 टीके तथा 5 माह पर दूसरा टीका लगवाना चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशु चिकित्सक की सिफारिश पर पोल्ट्री पक्षियों को कृमिनाशक खुराक दी जानी चाहिए क्योंकि पोल्ट्री पक्षियों में कृमि अंडे की उत्पादन क्षमता को कम कर देते हैं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव अपेक्षित नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details